पंजाब केसरी 11/02/2026

सेफर इंटरनैट विद्यार्थियों को जिम्मेदार व नवाचार की दिशा में आगे बढ़ाते हैं : डॉ. रोहित दत्त

अम्बाला, (बलराम): छावनी स्थित गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज के कम्प्यूटर एप्लीकेशन विभाग द्वारा संस्थान नवाचार परिषद के सहयोग से 'इंडिया ए.आई. इम्पैक्ट-2026' के पूर्व शिखर सम्मेलन के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला 'टी.आर.एल. बेस्ड इनोवेशन के लिए डिजाइन थिंकिंग' संपन्न हुई। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को नवाचार की उन्नत रणनीतियों तथा उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों से परिचित कराना था।

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में आयोजित 'इंडिया ए.आई. इम्पैक्ट-2026' के अंतर्गत आयोजित कार्यशाला के प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त। (चंदमोहन)

कार्यशाला का शुभारंभ व्यावसायी रजत श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को टैक्नोलॉजी रैडिनेस लैवल फ्रेमवर्क के माध्यम से विचारों को प्रारंभिक अवधारणा से प्रोटोटाइप, पायलट परीक्षण और व्यावसायीकरण तक विकसित करने की प्रक्रिया समझाई।

उन्होंने उदाहरणों के जरिए स्पष्ट किया कि डिजाइन थिंकिंग और टी.आर.एल. का समन्वय किस प्रकार सफल स्टार्टअप्स और सामाजिक प्रभाव वाले समाधानों को जन्म देता है। विद्यार्थियों ने समूहों में कार्य करते हुए समस्या की पहचान, समाधान की रूपरेखा तैयार करने, प्रोटोटाइप मॉडल बनाने और उन्हें उच्च टी.आर.एल. स्तर तक पहुंचाने की रणनीतियों पर सक्रिय अभ्यास किया, जिससे उनकी रचनात्मक सोच, टीम भावना और व्यावहारिक समस्या-समाधान क्षमता को मजबूती मिली।

कार्यशाला के आज के दिन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के मार्गदर्शन में सेफर इंटरनैट डे-2026 के अवसर पर डिजिटल जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य बच्चों, युवाओं, महिलाओं एवं शिक्षकों के बीच इंटरनैट के सुरक्षित, संरक्षित और जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देना था।

कॉलेज प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रखकर नवाचार और उद्योगोन्मुख करियर के लिए तैयार करती हैं। उन्होंने बताया कि डिजाइन थिंकिंग विचार से नवाचार तक की यात्रा सिखाती है, जबकि सेफर इंटरनैट तकनीक के जिम्मेदार और नैतिक उपयोग की समझ विकसित करता है। उन्होंने जोर दिया कि नवाचार तभी सार्थक है, जब वह सुरक्षित एवं समाजहित में हो तथा ऐसे आयोजन छात्रों को तकनीकी रूप से सक्षम व डिजिटल रूप से जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं।